1857 के विद्रोह में पटना के कमिश्नर विलियम टेलर की भूमिका

डॉ. अशोक कुमार

फरकुहार्सन टेलर की अपेक्षा किचिंत नम्र प्रवृति का था। पटना के नागरिकों ने 9 बजे रात के बाद घर से बाहर निकलने पर रोक लगाए जाने के टेलर के आदेश के विरूद्ध उसके पास जब अपील की तो उसने 9 बजे के स्थान पर 12 बजे का समय कर दिया इसके अतिरिक्त उसने सैनिकों या ऐसे कुछ अन्य लोगों के द्वारा एक्कावालों को जर्बदस्ती पकड़ कर उनसे काम कराने के आदेश को भी अंशतः रद्द कर दिया। इससे एक्कावालों को सामान्य रूप से आजीविका अर्जन करने का अवसर मिला। उसने पटना स्थित बिहार स्टेशन गार्ड के कमांडिंग ऑफिसर को 16 अगस्त को आदेश दिया कि वे अब अपने मातहत के नजीबों को उनके शत्रास्त्र लौटा दें एवं छपरा और मुजफ्फरपुर में उन्होंने जो सरकार की सेवा की थी उसके लिए उनमें सरकार का विश्वास था, वह आश्वासन उन्हें दे दिया जाए।